डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 53 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 02 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

डोडाचूरा तस्कर को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट मंदसौर द्वारा आरोपी राजूराम पिता रूपाराम लौहार उम्र 30साल निवासी गोगेलावे थाना नागौर जिला नागौर राजस्थान को डोडाचूरा तस्करी करने का दोषी पाते हुए 10 वर्ष का सश्रम कारावास और 1 लाख रू अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने कि 16 जून 2016 को थाना वायडीनगर के उनि जीपी मिश्रा को मुखबीर सूचना मिली कि राजू पिता रूपाराम लौहार एवं प्रहलाद पिता जेठाराम लौहार पिकअप में डोडाचूरा भरकर उपर सब्जी एवं फल के खाली कैरेट रखकर नाहरगढ तरफ से डोडाचूरा भरकर जोधपुर राजस्थान बेचने जा रहे हैं जो मंदसौर होकर महू-नीमच रोड हाईवे होकर राजस्थान तरफ जायेंगे। मुखबीर सूचना पर कार्यवाही हेतु उनि जीपी मिश्रा मय फोर्स के थाने से रवाना होकर गुराडिया देदा फंटा महू-नीमच हाईवे के पास पंहुचे और नाकाबंदी की। थोड़ी देर बाद मुखबीर द्वारा बताये हुलिए की महिन्द्रा जीनियो पिकअप मंदसौर की तरफ से आई, जिसे रोककर नाम, पता पूछने पर चालक ने अपना नाम राजू पिता रूपाराम तथा उसके साथी ने प्रहलाद पिता जेठाराम लौहार बताया था।

मौके पर ही आरोपियों को मुखबीर सूचना से अवगत कराया और तलाशी लेने की बात कही। आरोपियो के वाहन पिकअप की तलाशी में 24 कट्टे में संदिग्ध पदार्थ मिला था। जिसे सूंघकर और जलाकर देखने पर डोडाचूरा होना पाया गया। उक्त अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा का तौल इलैक्ट्रानिक तराजू बांट से किया गया तो प्रत्येक 13 कट्टों में कुल बजन 4 क्विंटल 96 किलो 700 ग्राम डोडाचूरा होना पाया गया। आरोपियो के पास डोडाचूरा रखने बाबत लायसेंस नही होने से आरोपियो का कृत्य धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय होने से उन्हे गिरफ्तार कर मौके की संपूर्ण कार्यवाही पश्चात मय जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जप्त कर आरोपियो के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना व अनुसंधान उपरांत न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय द्वारा अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन एडीपीओ दीपक जमरा द्वारा किया गया।

दो बार लहर, इस बार हवा शांत

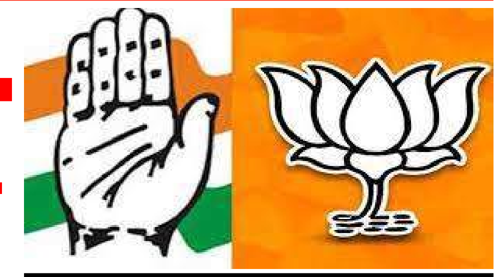

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कल 3 दिसंबर को विधानसभा चुनाव के पूरे समय के साथ ही चुनावी चर्चाओं पर विराम लग जाएगा। लेकिन, इसके पहले बाजार का माहौल चुनावी रंग में रंगा हुआ है। मंदसौर विधानसभा चुनाव में तीन दशकों के परिणामों को देखे तो दो बार संसदीय क्षेत्र की सीटों पर ऐसे परिणाम आए है। जिसमें हार जीत का अंतर बहुत अधिक रहा है। यह आंकड़ा तब बड़ा जब लहर की स्थिति रही है। तीन दशक में केवल दो बार किसी भी दल की लहर चली। उसके बाद चार चुनावों में किसी प्रकार की कोई लहर नहीं चली तो मतदाताओं ने बहुत बारिकी से अपने मत का फैसला किया और अपने क्षेत्र का विधायक चुना। वर्तमान का परिदृश्य देखे तो मतदाता चुप है। किसको विजय श्री का आशीर्वाद दिया है, यह भी कल मतगणना के दिन स्पष्ट होगा।

[मतदाताओं ने धारण किया मौन केवल लगाए जा रहे हैं कयास]

एक बार भाजपा की लहर तो एक बार मोदी...

विधानसभा चुनाव में 30 सालों में यानी की 1992 से लेकर 2023 तक छह बार चुनाव हुए है। इन चुनावों में केवल दो बार लहर चली है। 2003 में भाजपा की तो 2013 में प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की लहर चली थी। इन दोनों चुनावों में संसदीय क्षेत्र में बड़ी हार जीत हुई। वर्ष 2003 में संसदीय क्षेत्र की सभी सीटों पर करीब 15 हजार से 35 हजार तक जीत का अंतर था। वही 2013 में एकाधिक सीट को छोड़ दे तो सभी सीटों पर हार जीत का अंतर बड़ा था। धीरे धीरे अब चुनाव का परिदृश्य बदल गया है।

चार चुनावों में हार-जीत का अंतर ज्यादा नहीं...

मंदसौर के पिछले छह विस चुनावों के परिणाम देखे तो लहर वाले चुनाव छोड़क़र अन्य चार चुनावों में हार-जीत का अंतर कुछ सीटों पर ही बड़ा रहा है। शेष सीटों पर कम रहा है। किसी सीट पर तो चार सौ के अंतर तो किसी पर 2300 के अंदर तक रहा। तो एकाधिक सीट का अंतर बीस हजार तक पहुंचा है। वह भी उस सीट पर पहुंचा है जहां पर परंपरागत सीट संबंधित दल की रही हो। वरना अंतर कम ही रहा है।

तीन पर त्रिकोणीय, पांच पर सीधा मुकाबला...

संसदीय क्षेत्र की आठ सीटों पर तीन सीटों को छोड़ दे तो पांच सीटों पर सीधा मुकाबला है। इनमें मंदसौर, नीमच, मनासा, गरोठ और सुवासरा सीट है। सभी सीटों पर उम्मीदवारो ने अपना प्रचार- प्रसार जोर शोर से किया। नेताओं की सभाओं से लेकर दलबदल का का काम भी चला। लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मतदाता वोटिंग के इतने सगय बाद भी चुप है। ऐसे में कोई भी अनुमान नहीं लगा पा रहा है कि लहर है या नहीं है। हालांकि, ज्यादातर एग्जिट पोल ने लहर मानकर ही अपना सर्वे जाहिर किया है।

मावठा: सुबह से लेकर देर रात तक जले अलाव

कई जगहों पर हुई बारिश, दिनभर छाए रहे बादल, मौसम हुआ ठंडा

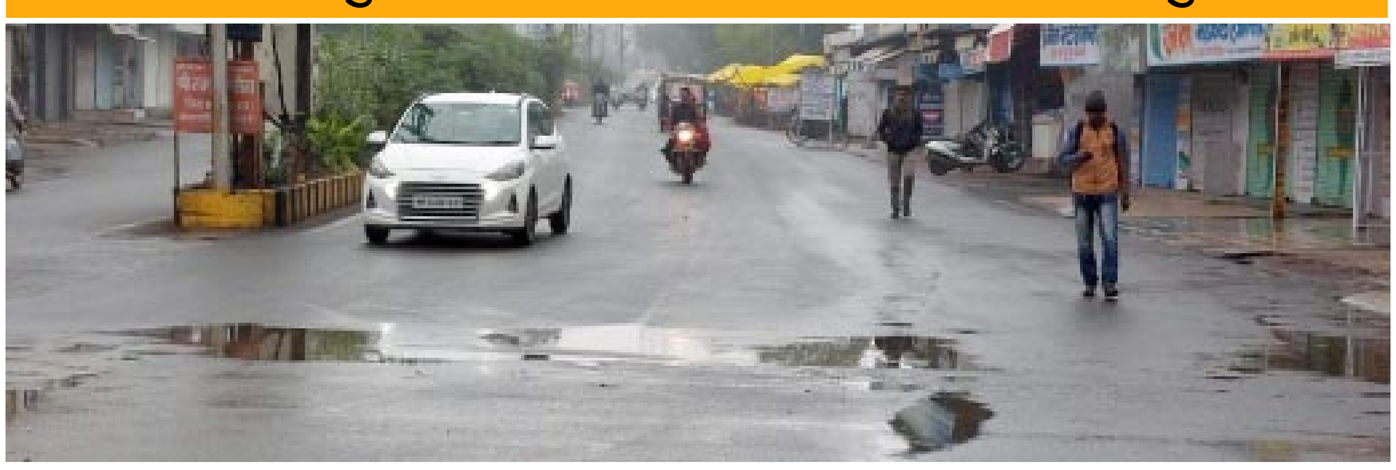

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को अचानक मौसम बदला और अंचल के कई क्षेत्रों में बारिश हुई। जिले के मंदसौर, शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, नाहरगढ़ क्षेत्र में सुबह झमाझम बारिश हुई। इससे हवाओं में ठंडक घुल गई। वहीं जिले में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इधर सीजन में पहली बार यह देखने में आया कि सुबह से लेकर देर रात तक लोग अलाव जलाकर तापते रहे। आमजन दिन भर ऊनी कपड़ों में नजर आए। दिनभर आसमान पर बादल छाए रहे।

मौसम वैज्ञानिकों की माने तो अबकी बार वेस्टर्न डिस्टरबेंस अर्थात पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवात और ट्रफ लाइन एक्टिव है। जिससे बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। मौसम विज्ञानियो के अनुसार 8-9 दिसंबर तक प्रदेश में बादल के साथ हल्की बारिश होगी। जबकि, दूसरे पखवाड़े की शुरुआत के साथ ठंड का असर भी बढ़ जाएगा। जिले में 4, 5 दिसम्बर को भी हल्की बारिश का अनुमान है। इसके बाद ठंड बढ़ जाएगी।

मौसम जानकारों की माने तो दिसंबर की शुरुआत बारिश के साथ होगी। जो सही साबित हुई। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से प्रदेशभर में मौसम ठंडा रहेगा। वहीं, पूर्वी हिस्से में हल्की से मध्यम बारिश होगी। दिसंबर में मौसम का ट्रेंड देखें, तो दिसंबर में वेस्टर्न डिस्टर्बेस स्ट्रॉन्ग आते हैं। वहीं, उत्तरी हवाएं आने से दिन-रात के तापमान में गिरावट होती है। अनुमान के अनुसार इस बार दिन-रात के तापमान नॉर्मल ही बने रहेंगे। लेकिन, यदि उत्तरी भारत यानी जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी होती है, तो टेम्प्रेचर लुढ़क भी सकता है।

सट्टा बाजार: जिले में दो भाजपा, दो कांग्रेस

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान होने के बाद अब नतीजों का बेसब्री से इंतजार है। 3 दिसंबर को परिणाम आएगा, लेकिन इससे पहले कयासों और अटकलों का दौर जारी है। प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी और कौन सी पार्टी कितनी सीट जीत पाएगी, इसको लेकर चर्चा चौराहा से लेकर पान-चाय की दुकान, व्यापारियों, आमजन के घर, राजनीतिक गलियारों और सरकारी दफ्तरों में हो रही है। ऐसे में सट्टा बाजार से आ रही खबरें कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा नेताओं की धड़कनें बढ़ा रही है। हालांकि, अचानक अब जिले में सट्टा बाजार भाजपा और कांग्रेस को बराबर मतलब दो-दो सीट दे रहा है। इसके अलावा सट्टा बाजार कांग्रेस सरकार की सीटें ज्यादा आने का दावा भी कर रहा है। जबकि, ज्यादातक एग्जिट पोल ने भाजपा की बहुमत से सरकार बनने का दावा किया है।

कांग्रेस को 116 से 119 सीटें...

प्रमुख सट्टा बाजार की खबरो को माने तो प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को 116 से 119 सीट मिलने के साथ सरकार बनने का अनुमान लगाया जा रहा है, वहीं भाजपा को 106 से 109 सीट ही मिल रही है। मंदसौर जिले की चार विधानसभा सीटों में से दो भाजपा और दो कांग्रेस के खाते में बताई जा रही हैं। इधर दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस के नेता अपनी जीत के न केवल दावे कर रहे हैं, बल्कि जनता पर भरोसा भी जता रहे है। साथ ही दोनों दल भाजपा-कांग्रेस अपनी जीत के साथ प्रदेश में सरकार बनाने के दावे को लेकर मजबूती से खड़े हैं। अब किसका दावा मजबूत होगा यह कल 3 दिसंबर को परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा।

बारहवीं तक के स्कूलों में बनेंगे पर्यटन क्लब

विद्यार्थियो को कराएंगे दार्शनिक स्थलों की सैर

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सरकारी व निजी स्कूलों में नए शिक्षा सत्र से पर्यटन क्लब बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य कक्षा 7वीं से 12वीं तक के बच्चों में राष्ट्रीय व सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना है। क्लब के अंतर्गत बच्चों को स्थानीय पर्यटन स्थल की सैर करवाकर इसके बारे में जानकारी दी जाएगी। इस जानकारी के बाद बच्चों के ज्ञान की प्रतियोगिता होगी, जिसमे विजेताओं को पुरस्कार मिलेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र से जारी आदेश जिला शिक्षा केंद्र को मिल गए है।

वर्ष 2022 में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत युवा पर्यटन क्लब की स्थापना की थी। तब बताया गया था कि भारत के युवाओं की संख्या विश्व के युवाओं की संख्या में पांचवां अहम स्थान रखती है। इसको देखते हुए ही बच्चों में स्थानीय प्राचीन स्मारक, सांस्कृतिक और पर्यटक स्थल के प्रति रुचि जगाने और इन स्थानों से परिचित करवाए जाने के उद्देश्य से सभी स्कूलों में पर्यटन क्लब बनाने की बात की गई। इससे छात्र- छात्राएं अपने इतिहास और विरासत को समझ सकेंगे। जिले के स्कूल शिक्षा विभाग ने अब इसकी तैयारी शुरू कर दी। शिक्षा विभाग को हर स्कूल के अनुसार रिपोर्ट राज्य शिक्षा केंद्र को दिसंबर माह में ही देना होगी।

अब तीस साल तक की प्रॉपर्टी ऑनलाइन सर्च हो सकेगी

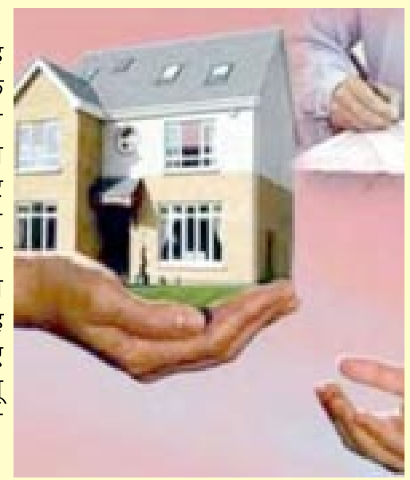

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अभी तक प्रॉपर्टी खरीदते समय जमीन की 18 साल तक की जानकारी ही ऑनलाइन मिल पाती है। अब इसमें बदलाव किया जा रहा है। जल्द ही प्रॉपर्टी की ऑनलाइन सर्च 30 साल तक की हो सकेगी। इससे लोगों का जोखिम कम हो जाएगा। एक साल के ऑनलाइन सर्च का 50 रुपए चार्ज देना होंगे।

दस्तावेज डाउनलोड करने पर 300 रुपए और सत्यापित प्रति का शुल्क 500 रुपए होगा। आप प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं और उसका रिकॉर्ड चेक करना चाहते हैं तो यह काम फटाफट होगा। जल्द प्रॉपर्टी की ऑनलाइन सर्च 18 की जगह 30 साल तक की होगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद एक प्रॉपर्टी को 30 साल में कितनी बार, किसने-किसको बेचा, इसकी डिटेल भी ऑनलाइन देख पाएंगे। पंजीयन विभाग के अफसरों ने बताया कि अब तक प्रॉपर्टी की ऑनलाइन सर्च 2005 से 2023 तक की उपलब्ध है। इसके पहले की मैन्युअल सर्च 1994 तक की हो जाती है लेकिन इसे भी ऑनलाइन किया जाएगा। इसमें एक साल के ऑनलाइन सर्च का 50 रुपए देना होगा। वहीं दस्तावेज डाउनलोड करने पर 300 रुपए और सत्यापित प्रति का शुल्क 500 रुपए होगा। शासन ने प्रक्रिया के लिए यह टेंडर पांच साल के लिए निकाले हैं। जानकारी के मुताबिक प्रथम चरण में जिले में अभी मंदसौर उपपंजीयक कार्यालय में ही डिजिटलाइजेशन शुरू हो गया है। इसके बाद ही तहसील स्तर पर डिजिटलाइज्ड के काम होंगे। जानकारों का कहना है कि शासन ने प्रक्रिया के लिए यह टेंडर पांच साल के लिए निकाले हैं। यदि यह प्रक्रिया सफल होती है तो इसको लागू होने में करीब पांच से सात साल का समय तो लग ही जाएगा या इससे अधिक भी लग सकता है।

स्मैक तस्करों को 10-10 साल की सजा

[1-1 लाख रूपए जुर्माना भी जमा कराना पड़ेगा]

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट मंदसौर द्वारा स्मैक तस्करी के दो आरोपियो को 10-10 साल की सजा और 1-1 लाख रुपए जुर्माना जमा कराने का आदेश पारित किया है।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 5 फरवरी 2016 को थाना शहर कोतवाली के उपनिरीक्षक भारतसिंह चावडा को मुखबीर सूचना मिली थी कि साबिर हुसैन और जमील खान मोटरसाईकिल पर अफीम का पाउडर स्मैक लेकर नाहर सैयद से जनता कॉलोनी कब्रिस्तान रोड से होते हुए ए टू जेड तिराहे से रामटेकरी होकर फोरलेन पर किसी को देने जाने वाले हैं। मुखबीर सूचना पर कार्यवाही हेतु उपनिरीक्षक भारतसिंह चावड़ा मय फोर्स के थाने से रवाना होकर लीला फर्नीचर मार्ट के बगल में कब्रिस्तान रोड जनता कॉलोनी पहुंचे और नाकाबंदी की। थोड़ी देर बाद मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के दो व्यक्ति आते दिखे, जिन्हें पास आने पर हमराह फोर्स की मदद से रौका और नाम पता पुछा। चालक ने अपना नाम साबिर हुसैन और पीछे बैठे व्यक्ति ने जमील खान बताया था।

दोनों आरोपियों को मुखीबर सूचना से अवगत कराया और तलाशी लेने की बात कही। आरोपी साबिर हुसैन के बदन की तलाशी लिये जाने पर उसके द्वारा पहनी पेंट के बायी तरफ एक पोलीथीन की थैली मिली, जिसे खोलकर देखने पर उसके अंदर भूरे रंग का पावडर भरा हुआ मिला था। उक्त पावडर का परीक्षण करने पर स्मैक होना पाया गया। उक्त अवैध मादक पदार्थ स्मैक का तौल इलैक्ट्रानिक तराजू बांट से किया गया तो कुल वजन 300 ग्राम होना पाया गया। मौके पर ही आरोपियो को गिरफ्तार किया गया। बाद संपूर्ण कार्यवाही पश्चात मय जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ स्मैक जप्त कर थाने पर वापसी उपरांत दोनो आरोपियो के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अनुसंधान उपरांत न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय द्वारा अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों सें सहमत होकर आरोपी साबिर पिता अहमद हुसैन नियारगर उम्र 52 साल निवासी नाहर सैयद रोशन कॉलोनी मंदसौर व जमील पिता अब्दुल करीम खान उम्र 45 साल निवासी नाहर सैयद रोशन कॉलोनी मंदसौर को स्मैक तस्करी करने का दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास और 1-1 लाख रूपए जुर्माना जमा कराने की सजा सुनाई। प्रकरण में अभियोजन का संचालन एडीपीओ दीपक जमरा द्वारा किया गया।

कल पता चलेगा, शिवराज की घोषणा ने जनमत को लुभाया या कमलनाथ के वादों ने..!

मंदसौर/उज्जैन, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। एग्जिट पोल के आंकड़े जो विभिन्न एजेंसियां जारी कर रही है, वह आमजन को असमंजस में डाल रही है और श्रोताओं और पाठकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि हमारी खोज तो यहीं तक है। मानो या नतीजे आने तक मंथन करें। ऐसा होने का कारण एक ही है कि अब देश के मतदाता का सरकार चुनने के प्रति नजरिया बदला हुआ और गंभीरता लिए हुए हैं। मतदाता के मन को पढ़ पाना अब आसान नहीं है। इनमें लालची, स्वार्थी के अलावा राष्ट्रहित के नजरिए से मत देने वाले भी हैं। लालची, स्वार्थी मतदाताओं में ऐसे मतदाताओं को गिना जा सकता है जिन्हें मुफ्त अनाज, सस्ती खाद, मुफ्त भोजन, फसलों के अधिक दाम, बहनों के खाते में धन, सस्ता गैस सिलेंडर, मुफ्त तीर्थ यात्राएं, सस्ती बिजली और महाकाल लोक जैसे निर्माण जो तेज हवा में उड़ जाएं।

यह शास्वत है कि ऐसे वर्ग के मतदाता वचनबद्ध कहे जा सकते हैं। क्योंकि, इनके मत लगभग 90 से 95 प्रतिशत तक डलते हैं। इनसे अलहदा जो मतदाता होते हैं वे साक्षर गंभीरता से देश प्रदेश की प्रगति के बारे में और दल से अलग प्रत्याशियों की शिक्षा और योग्यता भी देखकर मत डालते हैं। ऐसे मतदाताओं के लिए यह सच है कि उनके टोटल मतदाता अधिक भी हो तब भी डालने वाले का मत प्रतिशत कम ही रहता हैं। तो सरकार बनती है लालची और स्वार्थी मतदाताओं के भरोसे, फिर चाहे किसी भी दल की हो! शिवराज ने बीते लगभग 15 साल प्रदेश की सरकार चलाई है। पर, प्रदेश के प्रबुद्ध वर्ग की नजर में शिवराज के पहले सत्र को प्रगतिशील मान सकते हैं। वर्ष 2013 में तो कांग्रेस के बगियों ने सरकार बनवा दी थी, उसके बाद शिवराज मुख्यमंत्री जरूर रहे पर सिर्फ भाजपा के, प्रदेश की जनता के नहीं रहे थे! यही दौर था डंपर घोटाले से शुरू हुआ व्यापम, जल संसाधन के बांधों का टूटना, खाद की कालाबाजारी, पिपलिया मंडी में किसानों पर गोलीबारी, सतपुड़ा भवन के शासकीय रिकॉर्ड में आग लगना। ऐसी बहुत सी घटनाओं ने सरकार से ज्यादा शिवराज को बदनाम किया।

चन्द्रमोहन भगत

फिर कांग्रेस की घोषणाएं चुराकर मसीहा बनने का प्रयास अंतिम तीन महीने में सस्ती गैस भी उन्हीं महिलाओं को मिल रही है, जिनके नाम केवाईसी लिस्ट में है। मतलब 5 से 10 प्रतिशत को, सबसे बड़ी झूठी घोषणा प्रदेश भर के बेघरो को भूमि के पट्टे और छत देने की घोषणा आज भी सच होने का इंतजार कर रही है। विपक्षी दल कांग्रेस ने बीते सत्र के शुरुआत में कमलनाथ के नेतृत्व में 15 महीने प्रदेश की सरकार चलाई थी। 15 साल बाद अवसर मिला था, बहुत से नए विधायक मंत्री बने थे, अधिकांश ने सतही भ्रष्टाचार को अंजाम दिया था। सिर्फ 15 महीने के कार्यकलापों में मंत्रालय और सरकार से सीधे संपर्क रखने वाले कर्मचारी, अधिकारी और सप्लायर, ठेकेदार उनके अपने विधायक भी मंत्रियों से नाराज होने लगे थे। यह नाराजी जनमानस तक पहुंचती, इससे पहले ही ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से सरकार गिर गई। वरना पांच साल नाथ सरकार चलती तो सरकारी कर्मचारी, अधिकारी, सरकारी एजेंसी में काम करने वाले और जनमानस की नाराजगी का ग्राफ इतना बढ़ जाता कि वर्तमान चुनाव लड़ने से पहले ही हार जाते।

सिंधिया ने सरकार गिराई तो नाथ सरकार बदनामी के चरम तक पहुंचने से बच गई और इस चुनाव में सिंधिया की गद्दारी के कारण जनमत का सामना करने लायक बची रही। इधर शिवराज आखिरी 9 सालों में सरकार चलाते हुए जनमत को नाराज करते रहे। इतना कि घायल कांग्रेस को जनमत ने बल देना शुरू किया और शिवराज सरकार से कड़ी टक्कर लेने लायक बना दिया। चुनाव की घोषणा के साथ ही कमलनाथ की लुभावनी घोषणाओं ने जनमत पर गहरा असर डालना शुरू किया था, जो सतह पर नजर भी आने लगा था। जनता के मन को बदलते सभी राजनीतिक देख और समझ रहे थे कि शिवराज ने कमलनाथ के वादों को संशोधित कर अपनी सरकार की घोषणा में बदल दिया। फिर चाहे गैस सिलेंडर की कीमत का मामला हो या लाडली बहनों को सहायता राशि देना। आचार संहिता के पहले ही शिवराज ने सरकार ने जारी भी कर दिया था। बावजूद उसके जनमत के ग्राफ में खास इजाफा नजर नहीं आया, कारण साफ था कि अगर शिवराज राहत देना ही चाहते थे तो 18 साल इंतजार क्यों किया। जाहिर है कि चुनाव में हार के डर से मात्र 2 महीने पहले ही क्यों जागे?

ऐसे प्रश्नों ने भाजपा के जनमत को घटाने का काम किया है। इधर कांग्रेस विपक्ष में थी तो उनके वादे भाजपा से अधिक लुभावने होने के बाद भी लागू तभी हो पाएंगे जब उनकी सरकार बनेगी। इसलिए एग्जिट पोल हो या सामान्य सर्वे कांग्रेस की घोषणाओं का असर जनमत पर साफ होता नजर आया। जबकि, शिवराज की घोषणाएं इन्हीं की पूर्व सरकार की तरह इस बार जनमत का एक तरफा समर्थन जुटा नहीं पाई है। सतही दृश्य से यही वातावरण अनुमानित नजर आया है। इससे उलट पुरानी पेंशन योजना समाप्त करने का नुकसान भाजपा को निश्चित होता नजर आया है। जिन राज्यों में चुनाव हो चुके हैं, वहां के नतीजे इस नुकसान का प्रमाण है।

विचार-मंथन

श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतन जरूरी...

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने में आखिरकार कामयाबी मिल ही गई। सत्रह दिनों से इकतालीस मजदूर उसमें फंसे थे। शुरू में लगा था कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है और जल्दी उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। मगर जब राहत और बचाव का काम शुरू हुआ तब अंदाजा हुआ कि यह आसान काम नहीं है। सुरंग में गिरे मलबे को हटाने में हर कदम पर परेशानियां खड़ी होने लगीं। आखिरकार सुरंग के अगल-बगल से खुदाई की कोशिश हुई। उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां तक कि खुदाई के लिए जो अत्याधुनिक और शक्तिशाली आगर मशीन लगाई गई, वह भी टूट गई और उसके पुर्जे उसमें फंस गए। तब ऊपर से सीधी खुदाई करके श्रमिकों तक पहुंचने का रास्ता बनाया गया। उसमें भी आखिरी छोर तक पहुंच कर परेशानियां खड़ी हो गईं। आखिरकार हाथ से खुदाई करके रास्ता तैयार किया गया। उसमें एक चौड़ी पाइप डाली गई और उसके रास्ते ट्राली की मदद से उन्हें बाहर निकालने का उपाय किया गया। स्वाभाविक ही इस घटना पर पूरे देश की नजरें लगी रहीं और श्रमिकों के परिजनों और आम लोगों को इतने दिनों तक तरह-तरह की आशंकाएं घेरे रहीं। मगर अच्छी बात है कि राहत और बचाव में जुटे विशेषज्ञों ने हिम्मत नहीं हारी और सदा उम्मीद से भरे रहे। सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए एक सबक है। मगर इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह रही कि राहत और बचाव के काम में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई। अड़चनें पेश आती रहीं, पर हर मुश्किल से पार पाने के उपाय तलाशे जाते रहे। दूसरे देशों के सुरंग विशेषज्ञों से भी सलाह लेने में देर नहीं की गई। रेलवे से लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तक जितने भी इस तरह के बचाव कार्य में विशेषज्ञता वाले विभाग हो सकते थे, सबकी मदद ली गई। केंद्र और राज्य सरकार लगातार इस पर नजर बनाए रहीं तथा बचाव कार्य में लगे लोगों का हौसला बढ़ाती रहीं। मगर इसमें सबसे सकारात्मक बात यह रही कि सुरंग में फंसे श्रमिकों ने हिम्मत नहीं हारी और वे उस अंधेरी तंग सुरंग में जीवन की उम्मीद से भरे अपने बाहर निकाले जाने का इंतजार करते रहे। कई दिन बाद जब उन तक कैमरा पहुंचाया जा सका और उन सभी मजदूरों के सुरक्षित होने की सूचना मिली तो बचाव दल का उत्साह और बढ़ गया। इस पूरे राहत और बचाव कार्य में जितनी बड़ी कामयाबी विशेषज्ञों की रही उससे बड़ी कामयाबी श्रमिकों के हौसले की थी। इतने दिन किस तरह के भय और आशंकाओं के बीच उन्होंने सुरंग में अपने को जिंदा रखा, यह बड़े जीवट का उदाहरण है। इस विषम परिस्थिति में भी वे जीवन से निराश नहीं हुए। यों भी पहाड़ों पर ठंड रहती है, फिर दिवाली के बाद लगातार ठंड बढ़ती गई, उसमें उन्होंने किस तरह इतने दिन बिताए होंगे, सोच कर सिहरन होती है। निस्संदेह यह श्रमिकों के हौसले की जीत है। मगर इस घटना के बाद जो एक बड़ा प्रश्नचिह्न विकास परियोजनाओं के सामने लग गया है, उस पर संजीदगी से सोचने का भी यह एक बड़ा मौका है। निश्चित रूप से सिलक्यारा सुरंग बनाने वाली कंपनी को इस तरह के काम का लंबा अनुभव है, मगर श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर जरूरी उपाय जुटाने के मामले में उससे गंभीर लापरवाही हुई, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

वायदों और गारंटियों पर ज्यादा लड़े जा रहे चुनाव...

अरविन्द मोहन

इस बार के विधानसभा चुनाव के नतीजे काफी महत्व के हैं। इसी के चलते इसे 2024 आम चुनाव का सैमीफाइनल कहा जा रहा है। यह बात अपनी जगह ठीक है लेकिन इस चुनाव में साफ लग रहा है कि चुनाव सरकारों के कामकाज, पिछले वायदों को पूरा करने न करने, नेताओं के चेहरे या जाति-धर्म की पहचान की जगह चुनावी वायदों और गारंटियों पर ज्यादा लड़े जा रहे हैं। गारंटियां और आगे के वायदे ही सबसे प्रभावी तत्व बनाने लगे और इसमें उन पार्टियों और नेताओं की तरफ से भी नए वायदे किए गए, गारंटियां दी गई जो 10 साल ही नहीं 20-20 साल से शासन कर रहे हैं। और गारंटियों के साथ पार्टियों और नेताओं ने अपनी प्रतिष्ठा जोड़ दी। भाजपा शुरू से ऐसी गारंटियों और वायदों को 'फ्रीबीज' और सरकारी खजाना लुटाना बोलती रही लेकिन बाद में इस होड़ में उतरी। राजस्थान में तो गैस सिलैंडर के दाम काम करने का वायदा 2-2 राउंड चला और यह ध्यान भी नहीं रहा कि केंद्र की सरकार का नेता ऐसा वायदा कैसे कर सकता है कि वह देशभर को एक और दाम पर सिलैंडर देगा और राजस्थान को किसी और दाम पर लेकिन ऐसा पहले किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के मामले में हो चुका था। पर हद तो तब हो गई जब राज्यों के चुनाव का बोझ सिर पर लेने वाले प्रधानमंत्री ने इन गारंटियों को खुद ही मोदी की गारंटी करार दिया। गरीब मतदाताओं के लिए इस तरह के लोक हितकारी या लोक लुभावन वायदे हों, उनको पूरा किया जाए इसमें हर्ज नहीं है। लेकिन खजाने और राजस्व का ध्यान रखना जरूरी है। पर सच कहें तो यह चिंता किसी नेता को नहीं है और अपने यहां की आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। पहले लोक कल्याणकारी शासन होने के दावे के साथ सरकारें जो काम सबके लिए करती थीं उसमें भी पिछले तीसेक साल से चलने वाले भूमंडलीकरण के अभियान में भारी कटौती हुई है। वित्तीय अनुशासन लाने और राजकोषीय घाटा कम करने के नाम पर सारा नुकसान गरीबों से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों का हुआ है। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था तो चौपट कर दी गई है। लेकिन इधर कर्नाटक चुनाव के बाद से गारंटियों और वायदों का जोर बढ़ा है। मोदी जी और केजरीवाल की जीत में भी इसका सहयोग था लेकिन प्रधानता अब दिख रही है। पर मजबूरी भी अब दिख रही है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने गरीबों को 5-5 किलो मुफ्त राशन की योजना को 5 साल जारी रखने की घोषणा की लेकिन सरकारी अधिसूचना इसके एक साल में ही समाप्त होने की थी। देश में गरीबी मिटाने की बात करने के साथ ही मुफ्त राशन पाने वाले 80 करोड़ लोग हैं, यह बात सरकार बड़े जोर-शोर से कहती है और इसका राजनीतिक लाभ ही है जिसके चलते मुफ्त राशन योजना की अवधि बढ़ाई गई है। बल्कि अब तो राजनीतिक हलके में एक नया पद 'लाभार्थी' प्रचलित ही हो गया है जिसको सरकारी मुफ्त योजनाओं का लाभ मिल रहा है और जो भाजपा का वोटर भी बन गया है। उससे चुनाव के समय नमक की कीमत देने की मांग भी की जाने लगी है। पर काफी सारे लोग ऐसे भी है जो मतदाता या नागरिक के लाभार्थी में बदलने को लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं मानते। मतदाता होने का अधिकार और सबकी बराबरी का इतना बड़ा अधिकार हमें आसानी से नहीं मिला है, हमें ही क्यों दुनिया में कहीं नहीं मिला है। यह 5 किलो अनाज, 200 यूनिट फ्री बिजली और हर किसान को 2 हजार रुपया देने से उसे मतदाता की जगह लाभार्थी बना दे यह तो किए धरे पर पानी फिरने वाली बात होगी। पर इन योजनाओं, वायदों और गारंटियों के शोर तथा उसके सहारे मत पाने की होड़ के साथ ही जब एक पर एक अध्ययनों में गरीबी और गरीब कम होने का दावा किया जाने लगा है तब बात गले से नीचे उतरने में मुश्किल हो रही है। कोरोना का लम्बा कहर मद्धम पड़ते ही और यूक्रेन युद्ध से मची तबाही के बीच में ही ऐसे अध्ययनों की बाढ़ आना हैरान करता है। और जब एक साथ विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष समेत उनके आस-पास के ज्ञानियों की तरफ से आए दिन हर अध्ययनों का निष्कर्ष एक ही दिशा में इशारा करता हो तो यह डर लगता है कि कहीं सरकार उनके कहने पर उदारीकरण की दिशा में कोई और बड़ा कदम तो नहीं उठाने जा रही है। इसमें वापस लिए कृषि विधेयक समेत कुछ भी हो सकता है। सबसे पहले अध्ययन (आई.एम.एफ. का) सामने आया जिसमें विश्व बैंक के मानक अर्थात प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 1.9 डालर खर्च के हिसाब से देश में महादरिद्रता के लगभग समाप्त हो जाने का दावा किया गया। यह भी बता दिया गया कि दरिद्रता की इस सीमा रेखा के नीचे जीवन बसर करने वालों की संख्या 1.4 फीसदी के नीचे आ गई थी। उन्होंने बस इतनी ही 'कृपा' की है कि यह स्वीकार किया है कि यू.पी.ए. के राज में गरीबों की संख्या में ज्यादा तेजी से गिरावट आई। विश्व बैंक का अध्ययन भी साथ ही आया है और अध्ययन विधि और निष्कर्षों में थोड़ा अंतर होने के बावजूद निष्कर्षों की दिशा एक ही है कि भारत में गरीबी तेजी से बढ़ रही है। और यह काम शहरों से ज्यादा तेजी से ग्रामीण इलाकों में हो रहा है। इसने एक और अद्भुत निष्कर्ष जोड़ दिया है कि भारत में 1993 से 2011 तक तो आर्थिक असमानता बढ़ती रही लेकिन 2011 से 2019 के बीच इसमें तेजी से गिरावट आई। आजकल प्रधानमंत्री मोदी इसी के आंकड़े उद्धृत करते हैं कि 2011 से 2019 के बीच महादरिद्रता अर्थात प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 1.9 डालर से ज्यादा खर्च करने वाले लोगों की संख्या में 12.3 फीसदी अंकों की कमी आ गई है। यह 2011 के 22.5 फीसदी से घटकर 2019 में 10.2 फीसदी रह गया था। ग्रामीण इलाकों में दरिद्रता 14.7 फीसदी कम हुई है जबकि शहरी इलाकों में 7.9 फीसदी। अब चूंकि अध्ययन प्रणाली का सवाल भी खुद ही उठा दिया गया है इसलिए उस पर चर्चा जरूरी हो जाती है। दरअसल इन दोनों अध्ययनों का आधार ही संदेहास्पद है क्योंकि भारत में उपभोग से जुड़े आंकड़ों का अध्ययन मोदी सरकार ने रोक दिया है और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण या प्राइवेट फाइनल कंज्मप्शन एक्सपैंडीचर या कंज्यूमर पिरामिड सर्वे या फिर सैंटर फॉर मोनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी जैसी संस्थाओं के जिस-तिस अध्ययनों और आंकड़ों को आधार बनाकर ये नतीजे निकाले गए हैं उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाने वालों की कमी नहीं है।

जो हम बोते हैं, उसी का फल हमें मिलता है...

अशोक कुमार

सृष्टि के सृजन काल से ही सामाजिक-सह-पारिवारिक परिधि में संबंधों की एक विरासतीय मान्यता रही है। भारतीय परिवेश में दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता, चाचा-चाची, पति-पत्नी, भाई-बहन, मौसा, फूफा, मामा जैसे संबंधों की एक लंबी शृंखला रही है। इन संबंधों की आत्मीयता और गतिशीलता हमारे सामाजिक और पारिवारिक परिवेश को असीम ऊर्जा से भरपूर रखती हैं। खासकर शादी विवाह या अन्य अनुष्ठानों में परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की विशिष्ट छवि होती है। इसके अतिरिक्त समाज में मित्रता की एक ऐसी प्रभावशाली कड़ी निर्मित हुई है, जिसकी महत्ता और पहचान आज भी जीवन पथ पर अग्रसर है। बचपन, युवावस्था और प्रौढ़ावस्था में हुई मित्रता के विभिन्न आयाम हैं, जो अनेक पड़ावों से गुजरते हुए पूरी जिंदगी तक निभाई जाती है। चूंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए वह अकेले जीवन की गाड़ी नहीं खींच सकता। जीवन यात्रा में सबकी भेंट असंख्य लोगों से होती है, लेकिन हर व्यक्ति मित्र का स्थान नहीं ले पाता है। जीवन को सुखमय बनाने के लिए अनेक सुविधाओं और सुख-साधनों की आवश्यकता होती है, लेकिन मित्रता रूपी साधन जीवन में हस्तगत हो जाए तो समस्त अनुकूल साधन अपने आप उपलब्ध हो जाते हैं। यह भी सच है कि एक सच्चा दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। मित्रता की कसौटी पर वही खरा सिद्ध हो सकता है, जिसे हम पसंद करें, जिसके सान्निध्य से हम प्रफुल्लित रहें, जिसका सम्मान करें और जो हमारे दुख-सुख में हमदर्द बना रहे। मनोविज्ञान के सूत्र यह भी प्रमाणित करते हैं कि व्यक्ति अपने मन की जो बातें परिवार के मुख्य सदस्यों से साझा नहीं कर सकते, उसे वे अपने जिगरी दोस्त के साथ अवश्य कहते-सुनते हैं। हालांकि इस स्थिति को प्राप्त करने में मित्र को एक दीर्घकाल के थपेड़ों से गुजरना भी पड़ता है। एक समारोह में ढेर सारे आमंत्रित लोगों के भोज के दौरान जब कुछ रिश्तेदारों ने हाथ बंटाने की इच्छा जाहिर की तो मेजबान ने अपने भाई और उसके सात-आठ मित्रों के आयोजन का मोर्चा संभाले होने की बात कह कर मना कर दिया। यह सच भी था। उस मित्र मंडली में शामिल युवा अत्यंत सलीके से पूरी व्यवस्था को मूर्त रूप दे रहे थे। आए आगंतुकों को बिठाना, खिलाना और विदा करने की समस्त औपचारिकताओं में वह समूह पूरी निष्ठा और तन्मयता से लीन था। चूंकि ऐसे आयोजन में इस तरह की अनोखी सहभागिता ग्रामीण इलाकों में दिख जाती है, मगर शहरों में बहुत कम देखने को मिलती है। बाद में जानकारी मिली कि उन मित्र मंडली के किसी भी सदस्य के घर किसी भी आयोजन या बीमारी या अन्य किसी गंभीर घटना में ये सभी मित्रगण परस्पर सहायता और सेवा के लिए तुरंत दौड़ पड़ते हैं। निश्चय ही यह आज के समय में दुर्लभ है, लेकिन विचारणीय यह भी है कि हम अपने किसी मित्र के सुख-दुख की घड़ी में सहायक क्यों नहीं हो सकते। वर्तमान भौतिक जीवन में किसी के काम आना जटिल कार्य है, लेकिन जब हम संकट में होते हैं तो तुरंत हमारी दूसरों से अपेक्षा होती है कि अन्य कोई मेरे काम आए। प्रकृति का शाश्वत नियम है कि जो हम बोते हैं, उसी का फल हमें मिलता है। कभी-कभी ऐसा भी देखने-सुनने को मिलता है कि बचपन या नौकरी में साथ रहे किसी मित्र के गंभीर रूप से बीमार होने पर उनके खास रहे मित्र उनकी खोज-खबर नहीं लेते। पूर्व की पीढ़ी के दौर में आमतौर पर ऐसी स्थिति में मित्र का अपने बीमार सखा के घर जाकर उसका कुशल क्षेम पूछना, घंटों उसके सिरहाने बैठकर उसका सिर सहलाना, हिम्मत देना और यथाशक्ति चिकित्सा कार्य में सहयोग करना उनके फर्ज के रूप में माना जाता था और पीड़ित जल्द स्वस्थ हो जाते थे। लेकिन अब तो यह सब दुपहरी के सपने जैसा हो गया है। अधिकांश यही देखा जाता है कि आत्मकेंद्रित होती जीवन दैनंदिनी में सोशल मीडिया के आभासी मंच से ही बीमार या परलोक सिधारे मित्र के शोक संतप्त परिवार को सिर्फ 'गेटवेल सून' और 'आरआइपी' के कृपण संदेश भेजकर निवृत्त हो जाने की मनःस्थिति प्राप्त कर ली गई है। काल के कपाल पर पारिवारिक और सामाजिक जीवन में हुए क्षरण के कारण अब सच्ची मित्रता असंभव है, लेकिन हम ईमानदारी से प्रयास करें तो मित्रता के बुझते दीए में लौ आ सकती है। हालांकि आज की युवा पीढ़ी के कुछ मित्र वैसे भी चिह्नित किए गए हैं जो अपने मित्र को भटकाने, मौज-मस्ती करने और स्वार्थ की प्रवृत्ति तक ही सीमित रखते हैं। पूर्वजों के कथन में वास्तविकता का चित्रण रहा है कि दुष्ट प्रकृति के साथी की कभी भी संगति नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा मित्र खुद अधोगति को प्राप्त करता है और अपने साथ अन्य मित्रों को भी संकट में डाल देता है। इसलिए मित्र के चयन में सावधानी हो और यह सुनिश्चित हो कि वह स्वार्थी नहीं है। अनेक प्रतिकूलताओं के बावजूद मित्र मंडली के ढांचे के निर्माण में हम सचमुच सफल हो सकते हैं, अगर हम अपने हृदय तल से खुद एक आदर्श मित्र बनने की अर्हता पूरी करें।

बोर्ड परीक्षाओं में बड़े बदलाव का आ गया सही समय

बोर्ड परीक्षाएं भारतीय शिक्षा की प्रमुख समस्याओं में एक हैं। 'स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा', यानी एनसीएफ-एसई, 2023 में इस पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है और तात्कालिक मुद्दों से बचने के बजाय उनको डटकर स्वीकार किया गया है। इनमें सबसे बड़ा मुद्दा है, बोर्ड परीक्षा के कारण परीक्षार्थियों और उनके परिवारों में होने वाला तनाव। इसकी कई वजहें हैं, जैसे- परीक्षा के अंकों को सामाजिक रूप से 'मूल्यवान' समझा जाता है और यह माना जाता है कि जीवन में ये बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं; बोर्ड परीक्षा के नतीजों का उपयोग कॉलेज में दाखिला लेने या कभी-कभी नौकरियों के लिए भी किया जाता है; परीक्षा में एक दिन का खराब प्रदर्शन गंभीर रूप से नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है; इन अंकों से कोचिंग संचालक व्यावसायिक हित साधते हैं और पैसे कमाने के लिए फर्जी प्रतिस्पर्द्धी दबाव बनाते हैं। दूसरा मुद्दा, अधिकांश बोर्ड परीक्षाएं अपने प्रारंभिक उद्देश्य पूरा नहीं कर पातीं और इससे भी बुरी बात यह है कि ये स्कूलों में शैक्षणिक प्रयासों की दिशा बदल देती हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का मकसद 10वीं और 12वीं कक्षा के अंत में बच्चों की क्षमताओं का आकलन करना है। इसके बजाय, कई स्कूल तमाम तरह के तथ्यों को याद कराना बेहतर समझते हैं। यह तरीका छात्रों की सीखने की समझ प्रभावित करता है। तीसरा मुद्दा है, ज्यादातर परीक्षाओं का आदर्श चरित्र न होना, जिनमें मूल्यांकनकर्ताओं में कई भिन्नताएं होती हैं। इससे स्वाभाविक तौर पर हमारी कई बोर्ड परीक्षाओं की विश्वसनीयता कठघरे में आ जाती है। एनसीएफ-एसई इन तमाम मुद्दों के समाधान के लिए बोर्ड परीक्षाओं में महत्वपूर्ण बदलाव करती है। ये परिवर्तन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और सीखने के मानकों, सामग्री, पाठ्य-पुस्तकों, शैक्षणिक तरीकों जैसे पाठ्यक्रम के समग्र दृष्टिकोण को महत्व देते हैं। इसके तहत परीक्षार्थियों पर बोर्ड परीक्षा का बोझ कई रूपों में कम किया जाएगा। मसलन, परीक्षाओं को 'आसान' और 'हल्का' बनाया जाएगा। यहां यह मत समझिए कि परीक्षा की कठोरता कम की जाएगी, बल्कि उसमें तथ्यों पर जोर देने के बजाय योग्यता को जांचा जाएगा। इससे विषय-सामग्री का भार हल्का हो जाएगा। इसी तरह, सभी बोर्ड परीक्षाएं साल में कम से कम दो बार आयोजित की जाएंगी, जिनमें छात्रों को दूसरी बार परीक्षा देने और सुधार करने का विकल्प मिलेगा। इसमें केवल सर्वोत्तम अंक ही मार्कशीट में लिखे जाएंगे। इसके बाद हम 'ऑन डिमांड' परीक्षाओं की ओर भी बढ़ेंगे, यानी परीक्षार्थी जब भी तैयार हो जाए, तब परीक्षा होगी। यह कदम उनमें तनाव कम करने में मददगार साबित होगा। जैसा कि इस रूपरेखा में कहा गया है, बोर्ड परीक्षाएं माध्यमिक चरण के लिए योग्यताओं का आकलन करेंगी। इसे सुनिश्चित करने के लिए परीक्षाओं के तमाम पहलुओं पर काम किया जाएगा, जिनमें प्रश्न-पत्र तैयार करने और कॉपी जांचने वालों का सख्ती से चयन और उनका उचित प्रशिक्षण भी शामिल है। बेशक, उच्च शिक्षा में प्रवेश के तरीके इस रूपरेखा के दायरे में नहीं हैं, लेकिन यह इस मसले को भी सामने लाता है। सच यही है कि भारत में उच्च गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षण संस्थानों की कमी है, जिसके कारण उस स्तर पर प्रवेश की प्रक्रिया में सबसे उपयुक्त के चयन के लिए अनगिनत दावेदारों की दावेदारी खारिज कर दी जाती है। चूंकि बोर्डपरीक्षाओं में सीखने की क्षमता का आकलन किए जाने के कारण सभी छात्र बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, ऐसे में, बेहतर उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के क्रम में बहुतों को निराश होना पड़ सकता है। इस संकट का समाधान निस्संदेह स्कूली शिक्षा में नहीं है, मगर राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में इन चुनौतियों से पार पाने की क्षमता है।

तीन दिसंबर को जो भी परिणाम आए स्वीकार करेंगे: अशोक गहलोत

आज का राशिफल

मेष | वृषभ | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुंभ | मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5072

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5071

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 5072

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह मध्यप्रदेश का राजकीय पक्षी है जिसे सफेद बुलबुल या पैराडाइज फ्लाई कैचर नाम से भी जाना जाता है (4)
5. [illegible] (3)
8. [illegible] (4)
9. [illegible] (3)
10. ब्रह्मा के पुत्र और मनुष्यों के मूल पुरुष (4)
12. वह राजा जिसके नाम से संवत् चला (2)
14. जन्म देने वाली जननी, माँ, मातृ (2)
16. [illegible] (3)
18. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
23. [illegible] (4)
25. [illegible] (3)
26. [illegible] (3)
27. [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (5)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (2)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (2)
6. [illegible] (3)
7. [illegible] (4)
11. [illegible] (4)
13. [illegible] (2)
15. [illegible] (2)
17. [illegible] (4)
19. [illegible] (4)
20. [illegible] (2)
22. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)
24. [illegible] (2)
25. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5071 का हल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने मतगणना की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर्स के साथ की मीटिंग...

ऑनलाइन हुई बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के संबंध में जिलों की गई तैयारियों को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। निर्वाचन सदन भोपाल से वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन द्वारा सभी कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। श्री राजन ने कहा कि सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना को लेकर आयोग द्वारा दिए गए निर्देश का अध्ययन कर लें और गंभीरता के साथ नियमों का पालन करें। राजनीतिक दलों को भी मतगणना की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराएं। साथ ही ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम पुख्ता रहे। बैठक में श्री राजन ने पूरी पारदर्शिता के साथ मतगणना की प्रक्रिया को पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से रहे-मतगणना की तैयारी संबंधी समीक्षा बैठक में श्री राजन ने कहा कि सभी 52 जिलों के मतगणना केंद्रों पर सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। सबसे पहले डाक मतों की गिनती शुरू होगी। इसके आधे घंटे बाद प्रात: 8.30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना शुरू होने से पहले अधिकृत एजेंट, उम्मीदवार को पोस्टल बैलेट के काउंटिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। श्री राजन ने कहा कि मतगणना के दौरान बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से रहे यह सुनिश्चित कर लिया जाए। डाक मत पत्रों की गणना के लिये लगाए गये प्रत्येक टेबल पर एक एआरओ की उपस्थिति होगी।

स्ट्रांग रूम से आने वाली मशीनों की क्रासिंग न हो, एजेंटों को रंगीन आई कार्ड जारी करें-आगामी 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना को लेकर श्री राजन ने स्ट्रांग रूम से आने वाली ईवीएम मशीनों की क्रासिंग न होने, एजेंटों को रंगीन आई कार्ड जारी करने, एजेंटों की बैठक व्यवस्था करने और ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्ट्रांग रूम के बाहर लगाई गई स्क्रीन हर समय चालू रहने के निर्देश दिए।

मतगणना हॉल में मोबाइल फोन रहेगा प्रतिबंधित-श्री राजन ने कहा कि काउंटिंग हॉल में कोई भी एजेंट, प्रत्याशी मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। मोबाइल फोन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्री बसंत कुर्रे, श्रीमती रुचिका चौहान, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार शुक्ला, श्रीमती सुरभि तिवारी उपस्थित थीं।

मतगणना केन्द्र में केलकुलेटर ले जाना प्रतिबंधित रहेगा

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग कर दिये निर्देश

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने गुरूवार को प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। बैठक में 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना की व्यापक तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए।

उप निर्वाचन आयुक्त श्री भादू एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि मतगणना केन्द्र पर पासधारक ही प्रवेश कर सकेंगे। किसी भी अनाधिकृत और अवांछित व्यक्ति को मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं मिलेगा। मतगणना केन्द्र में मोबाइल और केलकुलेटर ले जाना प्रतिबंधित रहेगा, सिर्फ मतगणना कराने में तैनात मतगणनाकर्मी ही केलकुलेटर का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि मतगणना केन्द्र में सभी व्यवस्थाएँ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थित एवं चाक-चौबंद रहें। निर्वाचन से जुड़ी सभी सूचनाएँ प्रेक्षकों, राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों, मीडिया और जनसामान्य को देते रहें, जिससे किसी भी प्रकार की असत्य या भ्रामक सूचनाएँ प्रसारित न हों। किसी भी प्रकार की संवादहीनता की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। उप निर्वाचन आयुक्त ने प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षकों से वन-टू-वन चर्चा कर जिले में मतगणना के लिये की गई तैयारियों की सिलसिलेवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलेट की गिनती की पूरी प्रक्रिया में सारे नॉर्म्स एवं प्रोटोकॉल्स का अक्षरश: पालन करें। पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू करने के आधा घंटा पश्चात ही ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ की जाए। ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना के लिये मतगणनाकर्मियों और माइक्रो ऑब्जवर्स को प्रशिक्षित करें। मतगणना स्थल की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर कमी न रहे। मतगणना केन्द्र में सीसीटीव्ही कैमरों की पर्याप्त व्यवस्था रहे। सभी जिला निर्वाचन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मतगणना के दिन रेन्डमाईजेशन से लेकर विजयी अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र वितरित किये जाने तक सम्पूर्ण मतगणना प्रक्रिया में पूरी तरह से निष्पक्षता व पारदर्शिता बनी रहे। मतगणना प्रक्रिया की शुद्धता पर कोई संदेह या गफलत नहीं होनी चाहिए।अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्री बसंत कुर्रे, श्रीमती रुचिका चौहान, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार शुक्ला और श्रीमती सुरभि तिवारी उपस्थित रहीं।

मतगणना के राउण्डवार परिणामों के लाईव प्रसारण की विभिन्न स्थानों पर व्यवस्था रहेगी

मतगणना स्थल पर मोबाईल के साथ प्रवेश वर्जित रहेगा, प्रवेशपत्रधारी ही कर सकेंगे मतगणना परिसर में प्रवेश, नीमच में कल पीजी कॉलेज में होने वाली मतगणना की तैयारियां पूर्ण

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत आगामी 3 दिसम्बर को शासकीय पीजी कॉलेज नीमच में होने वाली मतगणना की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मतगणना के राउण्डवार परिणाम के लाईव प्रसारण की व्यवस्था भी विभिन्न स्थानों पर प्रशासन व्दारा की जा रही है। नीमच के दशहरा मैदान, जावद के बस स्टेण्ड, मनासा के नगर परिषद कार्यालय में आम लोगों के लिए मतगणना परिणामों का एलईडी के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा।

यह जानकारी कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मतगणना तैयारियों के संबंध में शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित पत्रकारवार्ता में दी। इस मौके पर एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय सहित अन्य अधिकारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने पत्रकारगणों से रूबरू होते हुए कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में 3 दिसम्बंर 2023 को प्रात: 8 बजे से होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतगणना केंद्र पर स्थापित स्ट्रांग रूम की थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। मतगणना के दिन लगभग 500 से अधिक सुरक्षा जवान तैनात रहेगे। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना स्थल पर फेसिलिटेशन सेंटर बनाया गया है। मीडियाकर्मियों के लिए मीडिया सेंटर बनाया गया है। मतगणना कक्षों में किसी को भी मोबाईल या अन्य कोई भी इलेक्ट्रानिक्स डिवाइस के साथ प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मतगणना स्थल पर कॉलेज के पीछे वाले ग्राउण्ड में गणना अभिकर्ताओं, गणनाकर्मियों, पत्रकारगणो और मीडियाकर्मियों के वाहन की पार्किंग रहेगी और पीछे वाले व्दार से ही प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। मतगणना प्रारंभ होने के एक घण्टे पूर्व मतगणना स्थल पर उपस्थित होना होगा।

पत्रकारवार्ता में कलेक्टर श्री जैन ने मतदान प्रतिशत, मतदान का विवरण, मतगणना की तारिख, समय व स्था न, मतगणना प्रेक्षकगणों, विधानसभावार ईव्हीएम से राउण्ड की संख्या, गणना स्टॉफ, मतगणना हॉल में प्रवेश के हकदार व्यक्ति, काउंटिंग एजेंट, मीडियाकर्मियों के लिए सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्र, गणना का क्रम, आदि के बारे में विस्तार से बताया। कलेक्टर ने बताया कि प्रथम निर्वाचन से लगाकर अब तक हुए 16 निर्वाचनों में इस विधानसभा निर्वाचन 2023 में सर्वाधिक मनासा में 84.12 प्रतिशत, नीमच में 82.07 प्रतिशत, एवं जावद में 87.17 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिले में 84.26 प्रतिशत औसत मतदान हुआ है, जो अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया ने कहा कि मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा एवं मतगणना स्थिल पर 500 सुरक्षा जवान तैनात रहेगें। 3 दिसम्बर को शहर में भी सुरक्षा के माकुल इंतजाम रहेगे। उन्होने कहा कि मतगणना के दिन सिंगोली एवं मनासा की तरफ से आने जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्ट किया जावेगा। कॉलेज के सामने मैन रोड पर एक लेन से आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। पत्रकारवार्ता में बताया गया, कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना मनासा में 18 राउण्ड, नीमच में 20 राउण्ड एवं जावद में 16 राउण्ड् में होगी। मनासा के लिए दो कक्षों (प्रथम तल), नीमच के लिए प्रथम तल पर दो कक्षो एवं जावद की मतगणना भूतल पर एक कक्ष में 14-14 टेबलों पर होगी। मतगणना स्थल पर प्रवेश कालेज के पीछे वाले ग्राउण्ड के गेट से होगा।

राष्ट्रगान, मप्र गान एवं वन्देमातरम का गायन हुआ

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम के गायन से कार्यो की शुरूआत हुई। राष्ट्र गॉन एवं वन्देमातरम का गायन कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद सुश्री प्रिती संघवी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना सहित कलेक्ट्रेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन एवं वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात शासकीय कार्यो की शुरूआत की। कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, आदिम जाति कल्याण, आबकारी, खनिज, शिक्षा, कोषालय, पुलिस विभाग, जिला जनसम्पर्क, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ओव्हरब्रिज के दोनों तरफ रेलिंग लगना चाहिए

मल्हारगढ़, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। रेलवे गेट क्रमांक 14 1पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ओव्हरब्रिज के दोनों तरफ सड़क पर पन्द्रह से फिट तक रेलिंग लगाना चाहिए।उक्त आशय की मांग मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने करते हुवे बताया कि ब्रिज से उतरने वाले वाहन तेज गति से आते है और ब्रिज के नीचे सड़क से आने वाले वाहन भी तेज गति से आते है ब्रिज से उतरने वाले वाहन क्रासिंग के दौरान वाहन को साइड में दबा लेते है ऐसे में ब्रिज के नीचे सड़क से आरहे वाहन को ब्रिज से उतरने वाले वाहन दिखाई नही देते है और दुर्घटना का भय बना रहता है और ऐसी दो चार घटनाएं भी घट चुकी है।ऐसे में अगर रेलिंग लग जाएगी तो ब्रिज से उतरने वाले वाहन ब्रिज के नीचे वाली सड़क से आने वाले वाहनों को देख सकेगा ओर दुर्घटना नही होगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना एजेंट नियुक्त करने को लेकर जारी किए निर्देश

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि 3 दिसंबर को मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना होगी। मतगणना के दिन एजेंट नियुक्त करने के संबंध भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं।

श्री राजन ने बताया कि कोई भी ऐसा व्यक्ति, जिसको केंद्र अथवा राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा उपलब्ध करवाई गई है, साथ ही केंद्र और राज्य के मंत्री, वर्तमान सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिक निगम के अध्यक्ष, केंद्र तथा राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों के अध्यक्ष एवं सदस्य, शासकीय प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं सदस्य, आंगनवाड़ी कर्मचारी, शासकीय पैरामेडिकल स्टॉफ, शासकीय संस्था अथवा शासकीय अनुदान प्राप्त संस्था से मानदेय प्राप्त कर रहे या किसी शासकीय संस्था में अंशकालिक सेवाएं दे रहे व्यक्ति, शासकीय उचित मूल्य दुकानों के डीलर्स और शासकीय सेवक मतगणना के लिए किसी भी अभ्यर्थी के एजेंट नियुक्त नहीं किये जा सकेंगे।

नेशनल लोक अदालत में क्लेम प्रकरणों के निराकरण के संबंध में अधिवक्ताओं के साथ बैठक सम्पन्न

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार नीमच जिले में 09 दिसम्बर, 2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक क्लेम प्रकरणों का निराकरण संभव हो, इस हेतु प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सुशांत हुददार के मार्गदर्शन में एक दिसम्बर 2023 को विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार टेलर के विश्राम कक्ष में जिला मुख्यालय नीमच के बीमा कम्पनी एवं पक्षकारों के क्लेम अधिवक्तागणों के साथ बैठक आयोजित की गई।

विशेष न्यायाधीश द्वारा न्यायालयों में लंबित क्लेम प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण हो सके। इस हेतु उपस्थित क्लेम अधिवक्तागणों से चर्चा कर बताया, कि वे अपने पक्षकार को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण से होने वाले लाभ के बारे में बताये एवं प्रि-सिटिंग बैठकों में उपस्थित रहने हेतु अपने पक्षकारों को सूचित करे, ताकि अधिक से अधिक प्रकरणों में समझौते की कार्यवाही की जाकर, अधिकाधिक संख्या में लोगों को लाभान्वित किया जा सके। बैठक में 20 से अधिक प्रकरणों में समझौता हेतु चर्चा की गई। उक्त बैठक में जिला प्राधिकरण के सचिव श्री विजय कुमार सोनकर एवं जिला न्यायाधीश श्रीमती सौनल चौरसिया एवं श्री अरविन्द दरिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री हर्षित बिसेन सहित अधिवक्ता श्री पारसमल गोखरू, श्री सुधीर काला, श्री मनोज शर्मा, श्री नवलसिंह लोध, श्री रविन्द्र जैन एवं श्री रूपेश जाधव आदि अधिवक्तागण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है, कि 09 दिसम्बर 2023 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय-नीमच सहित तहसील मुख्यालयों-मनासा, जावद एवं रामपुरा में भी किया जा रहा है।

मतगणना परिसर में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन, 2023 के अन्तर्गत नीमच जिले की राजस्व सीमा में राजनैतिक गतिविधियां बढ़ने, जिले की उत्तर पश्चिम सीमाएं राजस्थान राज्य से लगी होने, असामाजिक तत्वों तथा अवैध सामग्री की आवाजाही एवं निर्वाचन अवधि के दौरान नीमच जिले की राजस्व सीमाओं में लोक शान्ति कायम रखने एवं आमजन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नीमच जिले की राजस्व सीमा में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-144 के प्रावधान लागू किये गए थे। 9 अक्टूबर 2023 से लागू इस आदेश में आंशिक संशोधन किया गया है।

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-144 के तहत कलेक्टबर श्री दिनेश जैन व्दागरा प्रतिबंधात्मक आदेश में आंशिक संशोधन किया गया है, कि गणना स्थल शासकीय स्वामी विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नीमच पर बिना सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति के प्रवेश वर्जित रहेगा। साथ ही कोई भी व्यक्ति पान, बीड़ी, गुटखा, तंबाकू, सिगरेट एवं ई-सिगरेट का उपयोग नहीं कर सकेगा। मतगणना स्थल पर आयोग द्वारा अनुमति प्राप्त व्यक्ति ही मोबाईल का उपयोग कर सकेंगे। मतगणना स्थल के आस-पास आयुध एवं अन्य प्रकार के अस्त्र, शस्त्र हथियार धारण करना या लेकर चलना वर्जित किया जाता है। मतगणना स्थल पर ज्वलनशील सामग्री लेकर प्रवेश करना वर्जित होगा। मतगणना समाप्ति के उपरांत कोई भी व्यक्ति, समूह, संगठन, संस्था, राजनैतिक दल, अभ्यर्थी इत्यादि, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं कर सकेगा। मतगणना स्थल के आस-पास किसी भी प्रकार की नारेबाजी एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्यता उत्पन्न करने वाले नारे लगाने या ऐसी गतिविधियाँ पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। आदेश की शेष शर्तें पूर्ववत रहेगी। यह आदेश तत्काधल प्रभावशील होगा।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता हेतु आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। एक दिसम्बकर को विश्व एड दिवस के अवसर पर जिला एड नियत्रंण समिति द्वारा आमजन में एच.आई.वी., एड के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा.एस.एस.बघेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर जिला चिकित्सालय से रेली रवाना की गई, जो कि सब्जी मण्डी से होकर फव्वारा चौक पर 50 मीटर लम्बा रेड रीबन का निशान बनाया गया। तत्पश्चात रैली जिला चिकित्सालय आकर समाप्त हुई। जिला चिकित्सालय परिसर में महिला ओ.पी.डी.के सामने स्टाफ द्वारा रंगोली बनाकर जागरूकता का संदेश दिया गया एवं सांय में केंडल मार्च का आयोजन किया गया। होटल राज पैलेस में 30 नर्सिंग स्टाफ को एच.आई.वी एडके प्रति जागरूकता हेतु राज्य स्तर से जारी चलचित्र का प्रदर्शन किया गया।

रैली के पश्चात जिला चिकित्सालय परिसर में जागरूकता संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें डॉ.एस.बघेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ.एम.पाटील, सिविल सर्जन तथा डॉ.दिनेश प्रसाद, नोडल अधिकारी ए.आर.टी.केन्द्र, डॉ.संगीता भारती नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ.विजय भारती, मेडिकल ऑफिसर, डॉ.शक्तिबाला शर्मा, मेडिकल ऑफिसर, श्री अल्पेश कुमार बारिया, जिला मलेरिया अधिकारी, डॉ.तनु जैन, मेडिकल ऑफिसर तथा जिला चिकित्सालय मे पदस्थ अन्य मेडिकल ऑफिसर के द्वारा एडबीमारी से बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी गयी। आर.के. फाउण्डेशन के द्वारा जनजागरूकता हेतु नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि श्री हेमेन्द्र शर्मा, जिला एड कार्यालय के अधीनस्थ ए.आर.टी.केन्द, आईसीटीसी केन्द्र, सीएससी विहान कार्यक्रम, आर.के.फाउण्डेशन कार्यक्रम, पीपीटीसीटी कार्यक्रम के समस्त स्टॉफ, नर्सिंग कॉलेज के छात्र, छात्राओ सहित आमजन उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	274	2100	2400
उड़द	36	5200	8801
सोयाबीन	8500	3600	4120
गैहु	2818	2640	3180
चना	129	5000	5700
मसुर	62	4601	6015
धनिया	237	5403	8050
लहसुन	11300	12000	26000
मैथी	353	5600	7172
अलसी	1085	5005	5320
सरसो	419	5200	5349
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	16	18000	20900
प्याज	10200	501	3501
कलोंजी	24	11000	16561
डॉलर	14	9011	14281
तिल्ली	14	12000	16681
मटरसुखी	2	2501	3424
असालीया	5	8900	10538

कल रहेगा शुष्क दिवस

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतगणना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने 3 दिसम्बर 2023 को संपूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, मदिरा गोदाम, रेस्टोरेंट बार (एफ. एल.-2), पर्यटन बार (एफ.एल.-2-कक) होटल बार (एफ. एल -3), वाईन आउटलेट एवं देशी मदिरा स्टोरेज भंडागार को पूर्णत: बंद रखा जाकार क्रय- विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है।

कलेक्टर एवं एसपी व्दारा बेस्ट एम्पीलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से...

पचास अधिकारी-कर्मचारी को किया सम्मानित

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट एम्लाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार योजना के माह नवम्बर 2023 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 50 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्टक एम्पालाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार का वितरण जिला पंचायत परिसर नीमच में किया गया।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एस.पी.श्री अमितकुमार तोलानी,एडीएम सुश्री नेहा मीना ने कलेक्टोरेट में आयोजित एक कार्यक्रम में पचास अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार वितरण समारोह में जोर्जी थामस, दिलीपकुमार उपाध्याय, आंगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला प्रजापत, श्रीमती अंगूरबाला जैन, श्रीमती कांशी बाई, विनीत दुबे, रामनिवास सूर्यवंशी, हेटसिह कछावा, नवीन पाटीदार, गोपाल परिहार, मनोहर शर्मा, रोशन मालवीय, कैलाश तिवारी, सुशील दौराया, रामप्रसाद परमार, आकाश धार्वे, राजेन्द्री पालनपुरे, निलेश मोदी, विनोद टेलर, भरत कुमार भाटी, राधेश्याम पाटीदार, सुधीर कुमार राठौर, नागेश हंसवाल, राधेश्याम डिगा, राजू मेहर, सुश्री यशस्वी शिन्दे्, सुश्री निलेश्वीरी डाबर, योगेन्द्र सिह सिसोदिया, सुश्री पुष्पा चौहान, विक्रम सिह भदौरिया, धर्मेन्द्र सिह गौर, मंगलसिह राठौर, भेरूसिह, प्रदीप शिन्दे, सुरेंन्द्रे सिह सोलंकी, रूद्रप्रताप सिह, श्री जितेंद्र सिह जगावत, श्री आजाद सिह, श्री लखन प्रताप सिह, श्री संदीप जाट, श्री संजय कुमावत, श्रीमती उर्मिला परमार, श्री निर्दोष शर्मा, श्री देवेन्द्र शर्मा, श्री चंद्रप्रकाश बैरागी, श्री नरेंद्र अवासा, श्री मनोज त्रिवेदी, श्री योगेश जैन, श्री राहुल आंजना को निर्वाचन 2023 एवं शासकीय कार्यो के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने पर बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, जिला अधिकारी तथा कलेक्टोरेट के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट

जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहीर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्रीमती किरण पति अनिल कुमार जी जैन व श्रीमती इंदिरा पति राजेन्द्र जी शर्मा, निवासीयान ग्राम विक्रम नगर खोर, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 15, ग्राम नयागांव, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 1135/8 रकबा 0.009 हें. भूमि जिसकी चर्तुसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 1135 मीन की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 1135 मीन की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 1135 मीन की भूमि, पश्चिम् में - सर्वे क्रमांक 1135 मीन की भूमि स्थित हैं की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 01.12.2023

भवदीय

नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर हो रही ठगी, जागरूकता की जरूरत

मंदसौर, 1 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कोविड के बाद से वर्क फ्राम होम का चलन बढ़ गया है। कई लोग चाहते हैं कि उन्हें ऐसा काम मिले, जिसे वह घर बैठे ही कर सकें। महिलाएं भी चाहती हैं कि उन्हें ऐसा काम मिले कि जिसे घर से ही पूरा किया जा सके। साथ ही, वे अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। अब साइबर ठग लोगों की इसी मानसिकता फायदा उठा कर लोगों को वर्क फ्रम होम का झांसा दे रहे हैं और उन्हें ठगी का शिकार बना रहे हैं।

कुछ दिनों पहले मंदसौर के रहने वाले आशीष के सामने मैसेज के जरिए वर्क फ्राम होम का ऑप्शन आया। इसमें घर बैठे डेली कमाई करने का ऑफर दिया जा रहा था। इस बारे में ज्यादा जानकारी के लिए उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, तो वह सीधे एक वॉट्सऐप नंबर पर पर चला गया। इसके बाद एक अनजान व्यक्ति की तरफ से एक रजिस्टर्ड वेबसाइट पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन पूरा करने को कहा गया। इसके बाद कुछ टास्क को पूरा करने को कहा गया। फिर कुछ पैसे जमा करके कमीशन हासिल करने की भी बात कही गई। स्कैमर्स ने भरोसा जीतने के लिए पहली बार में पैसे वापस कर दिए। हालांकि, जब दूसरी बार में पीड़ित ने रुपये जमा किए, तो पैसे वापस नहीं हुए। इस तरह का झांसा कई बार साइबर ठग मोबाइल पर एनी डेस्क ऐप डाउनलोड करने के लिए भी कहते हैं। इसके बाद वे 10 अंकों का एक ओटीपी भी भेज कर उसे डालने के लिए कहते हैं। ओटीपी डालते ही उस व्यक्ति के मोबाइल का सारा एक्सेस साइबर ठग अपने हाथ में ले लेते हैं और पेटीएम, फोन-पे और गूगल- पे आदि ऐप के जरिए ठगी कर लेते हैं।

बचाव के लिए यह करें...

साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि वर्क फ्रॉम के नाम पर कोरोना के बाद से ठगी के मामले बहुत ज्यादा हो गए हैं। अगर कोई कंपनी ऑफर दे तो उसके बारे में पूरी जानकारी जुटाएं।अनजान नंबर से आने वाले लिंक के बाद अगर कोई टेलीग्राम ग्रुप से जोडने की बात करे तो अलर्ट हो जाएं। ई-वॉलेट में जमा हुए रुपये निकालने के लिए और निवेश के लिए बोले तो फौरन साइबर सेल से शिकायत करें। किसी सर्वे या लिंक पर क्लिक करने के लिए कोई कंपनी पैसा नहीं देती है। ऐसे ऑफर से सतर्क रहें। 4-5 हजार रुपये रोज घर बैठे कमाने का ऑफर सिर्फ छलावा हो सकता है। नौकरी के लिए हमेशा कंपनी के दफ्तर में ही संपर्क करें।

विश्व एड्स दिवस पर जन जागरूकता रैली का आयोजन

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विश्व एडस दिवस के अवसर पर एच.आई.वी./एडस पर इस वर्ष की थीम समुदायों को नेतृत्व करने दे के आधार पर जिला एड स रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई द्वारा जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमान हर्ष सिंह बहरावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान द्वारा रैली को जिला चिकित्सालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली गॉधी चौराहे से बसस्टेण्ड से होते हुए जिला प्रशिक्षण केन्द्र आई.पी.पी.-6 में सम्पन्न हुई। रैली में एच.आई.वी. की रोकथाम से सम्बंधित श्लोगन लिखी हुई तख्तियॉ एवं ऑटो पर आडियों के माध्यम से संदेश आमजन हेतु प्रसारित किये जा रहे थे।

इस अवसर पर न्यायाधीश श्रीमान हर्ष सिंह बहरावत ने कहा कि एच.आई.वी./एडकी रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं निजी संस्थाऍ अच्छा कार्य कर रही है। इससे जिले में निश्चित ही एच.आई.वी. की संक्रमण दर में कमी आई होगी। विधिक सेवा प्राधिकरण भी समाज से जुडे हुए पहलुओ पर कार्य करता है। जिसे भी सहयोग की आवश्यकता हो उक्त प्राधिकारण से सम्पर्क करें। डॉ. जी.एस. चौहान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि रैली के माध्यम से आमजन को एच.आई.वी. एड के प्रति जागरूक कराना है। जिससे लोग एड के विषय में स्वयं जाने एवं दूसरे को भी जानकारी दे। जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में जहॉ भी एच.आई.वी. संक्रमित केस आते है उन्हेंय उपचार हेतु ए.आर.टी. सेन्टर भेजकर उपलब्ध उपचार दिया जाता है। उक्त उपचार से संक्रमित व्यक्ति लम्बे समय तक स्वथ्य रह सकता है। डॉ.निशांत शर्मा नोडल अधिकारी ने बतलाया कि जिले में 6 आई.सी.टी.सी. एवं 38 एफ.आई.सी. टी.सी. सेन्टर संचालित है। जहॉ पर कोई भी व्यक्ति अपनी एच.आई.वी. की जॉच करा सकता है। जॉच एवं परामर्श नि:शुल्क उपलब्ध है। इस वर्ष 91 केस संक्रमित आये। यह आकडा पिछले वर्षो की अपेक्षा कम है। हम बेहतर रोकथाम की ओर बढ रहे है। डॉ. कमलेश कुमावत सीनियर मेडिकल आफीसर ने बतलाया कि वर्तमान में एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति को जो दवाईयॉ दी जा रही है वह काफी कारकर है। इन दवाओं से संक्रमित व्यक्ति का वायरल लोड शीध्र कम हो जाता है। जिससे संबंधित को अन्य संक्रमण लगने की संभावना बहुत कम हो जाती है। मगर शर्त यह कि संक्रमित व्यक्ति इन दवाओं का नियमित सेवन करता रहे। इन दवाओं के सहारे लम्बे समय तक स्वस्थ्य रह सकता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों को रेडरिवन लगा कर स्वागत किया गया। रैली में सभी सम्मिलित प्रतिभागी रेड रिवन लगाये हुए थे। इस अवसर पर डॉ. आर.के.द्विवेदी डी.टी.ओ.श्री प्रवीण कुमार जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्री राकेश शर्मा.डी.पी.एम., डॉ.अशोक पवार, डॉ.एम.एल.कश्यप, श्रीमती आरती रामावत, श्रीमती रिता सेवनियॉ, श्रीमती पुष्पा दावडे, श्री राजेश रजक., श्री मनीष शर्मा, श्री चैनपाल सिहं राठौर, श्री यशपाल राठौर, श्रीमती सुनीता गायकवाड़, श्रीमती दीप्ति साहु, श्रीमती सविता शर्मा, श्रीमती सरिता तुगनावत, श्री राजेश लिलोरियॉ, श्री नरेन्द्रॉ गोरखा, श्री कमलेश डण्डोतियॉ, श्री अमन पाण्डु, श्री रविन्द्र जोशी, श्री सुरेश पाटीदार, श्रीमती बीना व्यास, श्री विजय चावड़ा, श्रीमती हर्षिता राठौर, सुश्री अफसारा जारोरी, श्रीमति ममता भाटी, श्री शैलेन्द्र भाटी, श्रीमती प्रियंका शर्मा, सोनु पालीवाल, श्री मुनव्वर, श्री विजय राठोर, श्री अनिल राठोर, नीलम बोहरा, मेघा साल्वी, श्रीमती सपना चौहान, श्री भूपेन्द्र चौहान, लिंक वर्कर का स्टाफ, पैरालीगल स्टाफ, टी.आई.स्टाफ, विहान स्टाफ, श्वेताना का स्टाफ एवं शहरी आशा कार्यकर्ता, नर्सिंग कालेज की स्टुडेन्ट उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में सभी का श्री राकेश शर्मा जिला कार्यक्रम प्रबंधक. ने आभार व्यक्त किया।

वीर मातादीन ने देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई

1857 की क्रान्ति के प्रथम सूत्रधार शहीदे आजम वीर माता दीन जन्म जयंती मनाई

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। वीर मातादीन अंबेडकर सेना एवं राष्ट्रीय वाल्मिकी सेना द्वारा 1857 की क्रांति के प्रथम सूत्रधार शहीद वीर मातादीन मेहतर की जन्म जयंती भव्य रूप से शाम बाबा ओटले गांधी चौराहा पर बड़ी धूम धाम से मनाई एवं मातादीन के चित्र पर पुष्पमाला पहनाकर मिठाई बाटी। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक विनोद खेरालिया ने कहा की वाल्मिकी समाज का इतिहास बड़ा ही गौरव पूर्ण रहा हैं। वीर मातादीन ने देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाई है। हमें उनकी कुर्बानी और उनकी गाथा को कभी नहीं भूलना चाहिए।

वीर मातादीन अंबेडकर सेना के जिलाध्यक्ष थानसिंह घावरी ने वीर मातादीन जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वीर मातादीन ब्रिटिश सेना में कलकत्ता की बैरक जेल में कारतूस खाने के सुपरवाइजर के एक पद पर नियुक्त थे वे कुश्ती के शौकीन थे और उन्होंने कुश्ती में रुस्तमे हिंद का खिताब भी मिला है। मंगल पांडे भी उसी ब्रिटिश सेना में थे। मातादीन और मंगल पाण्डे के बीच दंगल होता है तो मस्तादिन कुछ ही मिनट में मंगल पाण्डे को शिकस्त दे देते है इससे प्रभावित होकर मंगल पांडे और मस्तादीन की दोस्ती हो जाती है। इसी प्रकार एक अंग्रेज अधिकारी को भी कुछ ही सेकंड में हरा देते हैं लेकिन अंग्रेज अधिकारी को ये बात अपमानजनक लगती है और वो मातादीन का अपमान कर जाति सूचक शब्द से तिरस्कार करता है ये बात सभी सैनिकों और मंगल पाण्डे को पता चलती है की मातादिन एक मेहतर जाती के है वे सभी उनसे नफरत करने लगते है लेकिन मातादीन ने मन ही मन कसम खाई की इन अंग्रेजो को जड से उखाड़ फेकेंगे, इसके लिए उन्होंने योजना बनाई। मातादीन ने मंगल पांडे के पानी के लोटे को छू लिया था जिस कारण मगल पाण्डे भड़क गए और कहा कि तुम निम्न जाति के हो और उनका अपमान करते है तब मातादीन बोलते की तुम जो बंदूक मे जो मुंह से छिलके कारतूस भरते हो वो गाय और सुवर की चर्बी से बना होता है तब तुम्हारा धर्म कहा जाता है यह सचाई सब सैनिक जान जाते है और सैनिक विद्रोह कर देते हैं तब ब्रिटिश सेना दोनो को पकड लेती है और सबसे पहले मातादीन मेहतर को फांसी होती है और फिर मंगल पाण्डे को फांसी होती है। आज भी बैरक जेल में मातादीन बनाम ब्रिटिश सेना का केस दर्ज हैं। इसी क्रम में संगठन के सभी पदाधिकारियों ने मातादीन के बारे बताया। सकल वाल्मिकी समाज के अध्यक्ष राजाराम तंवर, पटेल मुकेश चनाल, महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन घोसर, राष्ट्रीय वाल्मिकी सेना जिलाध्यक्ष दीपक दलौर, भीम आर्मी प्रदेश कार्य करणी सदस्य पवन रैदास, प्रकाश तंवर, संगठन के संरक्षक चेतनदास गनछेड, जगदीश कोडावत, पवन दलोर, मंगल कोटियाने ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रकाश कल्याणे, भूपेश घारू, जिला उपाध्यक्ष मनोहर फतरोड, कोषाध्यक्ष अजय चनाल, सचिव विनोद छपरी, भेरुलाल बारवासिया, दिलीप बागड़िया, शक्ति डागर, शेलू डागर, मुकेश राठौड, ललित कोदली, लखन उंट्वाल आदि सदस्य उपस्थित थे संचालन सतीश खेरालिया ने किया और आभार मनोहर फतरोड ने माना।

दृढ़ इच्छा शक्ति वाले व्यक्ति को दिव्यांगता भी सफलता से दूर नहीं रख सकती-पाण्डेय

सक्षम के तत्वावधान में कल विश्व विकलांग दिवस पर होंगे विभिन्न आयोजन

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। दिव्यांगजनों को विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक अधिकार दिलाने एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करके गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को विश्व विकलांग दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 1992 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है। दिव्यांग भाई-बहनों को सम्मान प्रदान करने वाले इस दिवस पर भारत समर्थ भारत समदृष्टि समता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) के तत्वावधान में अपने-अपने जिलों में विश्व विकलांग (दिव्यांग) दिवस पर दिव्यांगजनों के साथ विभिन्न आयोजन किये जायेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए सक्षम के प्रांतीय सचिव रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि दिव्यांगता के कारण जीवन में कठिनाई अवश्य आती है, किन्तु दृढ इच्छा शक्ति हो तो व्यक्ति इस कठिनाई पर विजय प्राप्त कर सकता है। आज कई दिव्यांग बन्धु अपनी मेहनत और संकल्प के बल पर उच्च स्थानों पर विद्यमान है तथा आत्म सम्मान के साथ जीवन जी रहे है। उनसे प्रेरणा लेकर दिव्यांग बन्धुओं को अपने शरीर में व्याप्त कमी पर नहीं अपने आत्म मनोबल के आधार पर जीवन को आगे बढाना चाहिये और शिखर पर पहुंचना चाहिए। क्योंकि जहाँ चाह है वहाँ राह है। दृढ इच्छा शक्ति वाले व्यक्ति को दिव्यांगता भी सफलता से दूर नहीं रख पाती है, ऐसे उदाहरण हमारे समाज में हर जगह हैं। प्रदेश सरकार दिव्यांगों के पूर्ण विकास एवं उन्नयन हेतु प्रतिबद्ध है। श्री पाण्डेय ने कहा कि आम जनों से निवेदन किया है कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांग भाई-बहनों की ससम्मान, हर संभव मदद करने का संकल्प करें। अंतरराष्ट्रीय-दिव्यांगजन-दिवस का उद्देश्य दिव्यांग जनों की दिक्कतों को समझना, उनके अधिकारों के लिए कार्य करना, उन्हें देश की मुख्यधारा में लाकर उन्हें सशक्त बनाना है।

रास्ते के विवाद में पीटा, 3 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। रास्ते के विवाद को लेकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। काचरिया देव निवासी राजू बावरी ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि गांव में चामुण्डामाता मंदिर समिति का सदस्य हूं, मंदिर निर्माण के दौरान गांव के परसराम बावरी, मुरली बावरी व मुन्नालाल बावरी ने कार्य रोकने की कहा व कहा कि 20 फिट रास्ता दो। तीनों ने गाली-गलौज कर मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर का 63वां प्रतिष्ठा महोत्सव आज

21 हजार मगज ड्रायफ्रुट के लड्डूओं का महाभोग, भट्टी पूजन हुआ

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री पशुपतिनाथ मंदिर पुजारी परिवार द्वारा आज दिनांक 2 दिसम्बर 2023, शनिवार को भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर का भव्य 63वां प्रतिष्ठा महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा।

पुजारी परिवार के सदस्यों ने बताया कि आज आयोजित प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत प्रात:काल से ही विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। जिसमें सर्वप्रथम प्रात: 7.30 बजे से 51 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा अभिषेक प्रारंभ किया जाएगा। अभिषेक पश्चात् अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ महादेव के प्रतीमा का भव्य व नयनाभिराम श्रृंगार किया जाएगा। जिसमें श्रद्धालुओं से चारों द्वार से भगवान के विभिन्न रूपों में दर्शन होंगे। साथ ही 21 हजार मगज ड्राई फ्रूट के लड्डूओं का भगवान को भोग लगाया जाएगा। सायं 5 बजे वाराणसी में होने वाली गंगा आरती की तर्ज पर बाबा पशुपतिनाथजी की भव्य महाआरती होगी। महाआरती के दौरान बाहर के विशेष कलाकारों द्वारा बैंड की प्रस्तुति दी जाएगी तथा आतिशबाजी भी होगी। महाआरती के पश्चात् भक्तों को लड्डूओं का प्रसाद वितरित किया जाएगा। प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है साथ ही 21 हजार लड्डूओं के भोग तैयार करने हेतु शनिवार को विधि विधान से भट्टी पूजन भी किया गया। इस दौरान पुजारी परिवार के सदस्य व संस्कृत पाठशाला के बटूक आदि उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस मनाया

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि विश्व एड दिवस के अवसर महाविद्यालय में परिचर्चा, नुक्कड नाटक, ऑनलाइन क्विज, रील मेकिंग, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। एड जागरूकता पर आयोजित परिचिर्चा में एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते जिला एड नियंत्रण प्रभारी डॉ. राजेश रजक ने कहा कि एड से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है। 36.7 मिलियन लोग इस वायरस से पीड़ित है और चिकित्सीय परामर्श के साथ एड पीडित व्यक्ति अच्छे से जीवन व्यतीत कर सकता है। अत: हमें एड पीड़ित व्यक्ति से दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से टेक्निकल टीम के सदस्य डॉ. ऋषिकेश तिवारी, श्री रवीन्द्र जोशी तथा सुश्री ज्योति बाला उपस्थित थे। कार्यक्रम में परिचर्चा के दौरान स्वयंसेवक राधिका बैरागी, सुमित नेक्स एवं रविराज शर्मा ने एड जागरूकता पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अर्पित परमार ने किया। एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने एड जागरूकता हेतु महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के समक्ष नुक्कड नाटक का आयोजन किया। उससे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य एवं डॉ. गोरा मुवेल के नेतृत्व में रील मेकिंग, ऑनलाइन क्विज एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में स्वयंसेवकों ने भाग लिया और एड से संबंधित विभिन्न जानकारियों को प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक डॉ. सोहन यादव, प्रो. प्रहलाद भट्ट, प्रो. संजय पंवार, प्रो. दीप्ति शक्तावत, महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

अनुराग जनजागरण पदयात्रा कल

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन के लक्ष्य को लेकर मन्दसौर नगर से अनुराग (प्रेम) रखने वाले गणमान्य नागरिकों के मार्गदर्शन में पदयात्रा निकाली जाएगी। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निकाली जाने वाली पदयात्रा दिनांक 3 दिसम्बर 2023, रविवार को प्रात: ठीक 8.30 बजे प्रतापगढ पुलिया, जगतपुरा चौराहा से प्रारम्भ होकर जगतपुरा, गुदरी, कागदीपुरा, बोहरा बाखल, सराफा बाजार व मंडीगेट क्षेत्र में भ्रमण करेगी। पैदल चलने में असमर्थ महानुभाव प्रात: 9 से 9.15 के मध्य एकत्रीकरण स्थल प्रतापगढ पुलिया, जगतपुरा चौराहा पर पधारकर आमजन हित के इस अभियान को अपना नैतिक समर्थन अवश्य प्रदान करें।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रांगोली प्रतियोगिता सम्पन्न, दिलाई शपथ

मनासा, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विश्व एड दिवस 1 दिसंबर के अवसर पर आज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा द्वारा महाविद्यालय में एड जागरूकता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई साथ ही एड जागरूकता शपथ विद्यार्थियों को दिलाई गई। एड जागरूकता - नियंत्रण सप्ताह के प्रथम दिन एड जागरूकता शपथ, रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया और रंगोली बनाकर महाविद्यालय अध्यनरत विद्यार्थियों को एड बीमारी नियंत्रण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। निर्णायक मंडल में डॉक्टर स्मिता रावत मधु कुशवाहा प्रेरणा शर्मा थे श्र इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एम.एल. धाकड़, आमंत्रित विशिष्ट अतिथि अनुविभागीय अधिकारी मनासा पवन जी बारिया, तहसीलदार बी के मकवाना, एवं कॉलेज स्टाफ से डॉ. अनिल जैन, मुकेश मालवीय एनएसएस जिला संगठक प्रो. अरुण कुमार चौरसिया, कार्यक्रम अधिकारी प्रो.आशा पटेल सहित बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जागरुकता से ही खत्म हो सकती है लाइलाज बीमारी

महाविद्यालय में जागरुकता व्याख्यान सम्पन्न

पिपलियामंडी, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया में विश्व एड दिवस पर विशेष जागरुकता व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया। प्रो. सचिन कारपेन्टर ने अतिथि परिचय कराया व प्रारंभिक भाषण देते हुए बताया विश्व एड दिवस लेट्स कम्युनिटीज लीडथीम पर मनाया। रेड रिबन क्लब, यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सभी संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्यवक्ता आशीष पाटीदार ने बताया यह लाइलाज बीमारी हमारी जागरुकता से खत्म हो सकती है, इसकी जानकारी ही इसका बचाव है। मल्हारगढ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र काउंसलर अंतिमबाला जैन ने कहा यह उम्र शिक्षा व विकास की है, इसके साथ ही सजकता की भी है और इस सजकता से हमें हमारे जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति करना है ना कि लापरवाही से इस गंभीर बीमारी के चपेट में आकर हमारे जीवन को नष्ट करना है। प्राचार्य आरके श्रीवास्तव ने कहा पश्चिमीकरण के प्रभाव में हमें हमारी करुणा के साथ काया को भी सुरक्षित रखना है और हम इस काया को तभी सुरक्षित रख सकत है, जब हमारी सांस्कृतिक विरासतों को हम संजोए उनसे प्रेरणा लें, गुरुजनों और माता-पिता के आदेश अनुसार जीवन जिए। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक जेसी पंवार, डीसी बोरीवाल, चन्द्रकला चोहान, अरुण नरगावे, राधेश्याम कटरा, निशा जटिया, ममता चोहान, गोविन्द तंवर, बलदेव जाट आदि उपस्थित रहे। संचालन कन्हैयालाल लोहार ने किया। आभार दयानन्द पाटीदार ने माना।

गौवंश को कराया गुड़ का आहार

पिपलियामंडी, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। गौसेवकों ने गौशालाओं में गौमाताओं को गुड का आहार कराया। सेवकों ने बरखेड़ापंथ, गुड़भेली बड़ी, पहेड़ा मगरा, अमरपुरा की गौशालाओं में पहुंचकर गौवंश को साढे 5 क्विंटल गुड का आहार कराया। इस अवसर पर श्यामलाल जोकचन्द, दिनेश कारपेन्टर, रघुवीरसिंह रिछा, बाबू मन्सूरी, धर्मेन्द्र धनगर, राजेश भारती, मनोहर पालीवाल, आशीक मन्सूरी, गणपत पाटीदार, ईशु धनगर, कन्हैयालाल पाटीदार, बल्लू गुर्जर, सुनील चड़ावत, भगतराम डाबी, मनोहर सोनी, मानसिंह चोहान, अनिल कारपेन्टर, गोपाल जोकचन्द, सोनू आर्य, आशीष कारपेन्टर, सुन्दरलाल परिहार, इशान डाबी, जेपी तेलकार आदि उपस्थित थे।

प्रेक्षक जावले एवं सेनगुप्ता ने किया मतगणना स्थल एवं स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

नीमच, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री किशन नारायणराव जावले एवं मतगणना प्रेक्षक (मनासा) श्री समनजीत सेनगुप्ता ने शुक्रवार को शासकीय पी.जी.कॉलेज नीमच में मतगणना स्थबल मतगणना कक्षों, स्ट्रांतग रूम परिसर का निरीक्षण कर, मतगणना तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डाइट में हुआ ऑनलाईन शैक्षिक संवाद का आयोजन

मंदसौर, 1 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिले के कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशन में डाइट मंदसौर द्वारा माह नवम्बर 2023 हेतु सी.एम.राईज शिक्षक व्यावसायिक उन्नयन कार्यक्रम अंतर्गत ऑनलाईन शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया।

उक्त आयोजन में जिले के के.आर.पी एवं स्त्रोत शिक्षकों द्वारा डाइट मंदसौर के विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष मंल उपस्थित रहकर उक्त ऑनलाईन शैक्षिक संवाद किया गया। उक्त संवाद में जिले के शिक्षकों ने उत्साह से सहभागिता की तथा संवाद के विषय सीखना- सिखाना एवं प्रश्न पर चैट बॉक्स के माध्यम से अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। उक्त संवाद जिले के शिक्षकों के लिए अत्यंत सार्थक रहा।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in